A–597

Total Pages : 3 **Roll No. .....**

MAJY–504

ग्रहण, वेध-यन्त्र तथा गोल परिचय–01

MA JYOTISH (MAJY)

1st Semester Examination, 2024 (June)

Time : 2:00 Hrs. Max. Marks : 70

नोट : – यह प्रश्न-पत्र सत्तर (70) अंकों का है, जो दो (02) खण्डों 'क' तथा 'ख' में विभाजित है। प्रत्येक खण्ड में दिए गए विस्तृत निर्देशों के अनुसार ही प्रश्नों को हल करना है। ***परीक्षार्थी अपने प्रश्नों के उत्तर दी गई उत्तर-पुस्तिका तक ही सीमित रखें। कोई अतिरिक्त (बी) उत्तर-पुस्तिका जारी नहीं की जायेगी।***

खण्ड–क

(दीर्घ उत्तरीय प्रश्न) 2×19=38

नोट : – खण्ड 'क' में पाँच (05) दीर्घ उत्तरीय प्रश्न दिये गये हैं, प्रत्येक प्रश्न के लिए उन्नीस (19) अंक निर्धारित हैं। शिक्षार्थियों को इनमें से केवल **दो** (02) प्रश्नों के उत्तर देने हैं।

1. ग्रहण को परिभाषित करते हुए उसकी अवस्था, स्वरूप एवं प्रभाव पर प्रकाश डालें।

2. चन्द्रग्रहण का सैद्धान्तिक विश्लेषण कीजिए।

3. सूर्यसिद्धान्त एवं आचार्य भास्कर के अनुसार भूभा का प्रतिपादन कीजिए।

4. लम्बन एवं नति का प्रयोजन बतलाते हुए सैद्धान्तिक व्याख्या कीजिए।

अथवा

टिप्पणी लिखिए :

(क) पात

(ख) चन्द्रश्रृंगोन्नति

5. ग्रहोदयास्त से क्या तात्पर्य है ?

खण्ड–ख

(लघु उत्तरीय प्रश्न) 4×8=32

नोट : – खण्ड 'ख' में आठ (08) लघु उत्तरीय प्रश्न दिये गये हैं, प्रत्येक प्रश्न के लिए आठ (08) अंक निर्धारित हैं। शिक्षार्थियों को इनमें से केवल **चार** (04) प्रश्नों के उत्तर देने हैं।

1. ग्रहण में लम्बन-नति का कारण स्पष्ट कीजिए।

2. चन्द्रमा के शुक्लत्व एवं कृष्णत्व का कारण बतलाइए।

3. शुक्लांगुल का साधन कीजिए।

4. ग्रह नक्षत्रों के उदयास्त में वैशिष्ट्य प्रतिपादित करते हुए उदयास्त में दिशा ज्ञान का सविधि वर्णन करें।

5. ग्रहयुति से आप क्या समझते हैं ?

6. दृक्कर्म का परिचय दीजिए।

7. ग्रहण के शुभाशुभ फल का वर्णन कीजिए।

8. आधुनिक विज्ञान के अनुसार सूर्यग्रहण का विश्लेषण करें।

****